B.COM IV SEMESTER

सपनों की होम डिलिवरी

ममता कालिया

लेखिका परिचय

ममता कालिया का जन्म 2 नवम्बर1940 ई. को वृन्दावन में हुआ। स्त्री ही इनकी लेखनी का केन्द्रबिन्दु रही है। नारी की निराशा, कुंठा, परिवार एवं समाज में उनकी स्थिति का सजीव चित्रण इन्हें अन्य लेखिकाओं से अलग एक नई पहचान दिलाता है। इनकी मुख्य रचनाएँ - छुटकारा, एक अदद औरत, प्रतिदिन, बेघर, नरक-दर-नरक इत्यादि हैं

ममता कालिया ने अपने उपन्यास सपनों की होम डिलिवरी में समाज में चले आ रहे रोजमरा के जीवन को ज्यों का त्यों रखा है। ममता कालिया जी ने बताया है कि किस तरह से आधुनिक पढ़े-लिखे व कामकाजी माता-पिता अपनी संतान से हाथ धो बैठते हैं। व्यक्तिगत अहं ने आपसी रिश्तों को चकनाचूर कर रखा है। व्यस्कों के जीवन के बिखरने के साथ ही साथ नवयुवकों के यौवन को नशे की गिरफ्त में पड़कर दम तोड़ते भी दर्शाया है। माता-पिता भी अपनी संतान को अपने-अपने ढंग से पालने के प्रयास में एक दूसरे को अपना शत्रु समझने लगते है। जिसका नतीजा सारे परिवार को भुगतना पड़ता है। प्रस्तुत उपन्यास में हर पात्र अपने लिए स्वच्छंदता की तलाश में फिरता नजर आता है।

सपनों की होम डिलिवरी से यह संकेत मिलता है कि मानव के जीवन में खुशियों का अभाव नहीं है दुख के मध्य यदि खोजा जाए तो अनेक क्षण सुखों के भी मिल सकते हैं। परिवार में यदि बच्चों को थोड़ा अपनापन, प्रेम व सहयोग मिले तो वह अपने जीवन के नवनिर्माण के लिए प्रेरित हो सकते हैं। पति-पत्नी अपने अहं को तिलांजलि दे तथा अपने जीवन-साथी व परिवार के लिए त्याग की भावना को बल दें तो निश्चित ही पूरे परिवार की छवि में नई स्फूर्ति व संतोष का संचार होता रहेगा।

चरित्र- चित्रण

(1) **सर्वेश नारंग**

सर्वेश नारंग एकाकी जीवन व्यतीत करने वाला पचास वर्ष से अधिक आयु का व्यक्ति है। उसके घर में उसकी माँ के अलावा एक नौकरानी भी रहती है। सर्वेश नारंग टी.वी. पर रुचि शर्मा के पाककला के कार्यक्रम को देखकर उसकी तरफ आकर्षित हो जाता है। वह एक खोजी पत्रकार है।वह शादी-शुदा है परन्तु विचारों के न मिलने के कारण दोनों पति-पत्नी अलग-अलग रहने लगे। वह मुम्बई में रहता है तथा उसकी पत्नी मनजीत अमृतसर में। उनका एक बेटा भी है जिसका नाम अंश है। अंश गलत संगत में पड़कर नशा करने लगता है। एक दिन उसका बेटा नशे की ओवरडोज लेने के कारण मर जाता है। बेटे की मौत से सर्वेश नारंग बहुत दुखी हो जाता है। ऐसे समय में रुचि शर्मा उसे सहारा देती है। रुचि शर्मा भी शादी-शुदा है, वह भी अपने पति से अलग रहती है। उसका भी एक बेटा है। सर्वेश नारंग व रुचि शर्मा शादी कर लेते हैं। वह अपने बेटे के बारे में सर्वेश नारंग को नहीं बताती। सर्वेश को जब उसके बेटे के बारे में पता चलता है तो वह बहुत नाराज होता है और भरे रेस्तरां में रुचि शर्मा का गला दबाने पर भी उतारु हो जाता है। एक समय ऐसा आता है जब वह रुचि शर्मा के बेटे गगन के प्राण बचाकर काफी हल्का महसूस करता है।

(2) <u>रुचि शर्मा</u>

रुचि शर्मा इस उपन्यास की प्रमुख पात्र है। वह तीस से चालीस वर्ष की आयु की महिला है। वह शादी-शुदा है परन्तु अपने पति के साथ नहीं रहती। रुचि की अपने पति प्रभाकर से सदैव अनबन रही, इसका कारण उसके पति का नशा करना व बदचलन होना था। उसका एक बेटा है जिसका नाम गगन है। वह अपने बेटे को बुरे कार्यो पर टोकती है किन्तु प्रभाकर बेटे का पक्ष लेता है जिससे गगन अपनी माँ को पसंद नहीं करता था और वह अब अपने पिता के साथ रहता है। रुचि शर्मा दो टीवी चैनलों में पाककला के आधे घण्टे के कार्यक्रम प्रस्तुत करती है। उसके नाम से जुड़ी पाँच भाषाओं में अनुवादित पत्रिकाएँ छपकर प्रकाशित होती थी। वह वन बी.एच के फ्लैट में रहती थी। टीवी पर में रुचि का बोलने का ढंग बहुत प्रभावशाली था। जिसे देखकर सर्वेश नारंग उसकी तरफ आकर्षित होता है। धीरे-धीरे दोनों में घनिष्टता बढ़ने लगती है और दोनों शादी कर लेते है। वह अपने बेटे गगन के बारे में सर्वेश को नहीं बताती। उसका बेटा गगन अपने पिता की संगत में रहकर बिगड़ता जा रहा था। समय आने पर वह अपने बेटे को अपने घर में आश्रय देती है किन्तु उसकी बुरी आदतों का पता चलते ही उसे घर से निकाल देती है। इस उपन्यास में रुचि शर्मा एक सशक्त तथा सुदृढ़ चरित्र बनकर उभरी है।

(3) <u>प्रभाकर</u>

प्रभाकर रुचि शर्मा का पति है। जब तक रुचि शर्मा अपने पति के साथ रही तब तक वह सदैव उसे मानसिक यातनाएँ देता रहा। प्रभाकर अपने नाबालिग बेटे से अपने लिए शराब के पेग बनवाता है तथा वह चाहता है कि उसका बेटा भी शराब का सेवन करें। रुचि शर्मा को जब अपने बेटे गगन के टिफिन से जली सिगरेट के टुकड़े मिलते है तो उसके गुस्से की सीमा नहीं रहती वह क्रोध में आकर गगन के गालों पर तमाचे लगाती है। तब वह कहता है कि तुम गगन की व्यर्थ जासूसी कर रही हो जिससे गगन को बढ़ावा मिलता है। प्रभाकर रुचि की अनुपस्थिति में घर की नौकरानी से बलात्कार का प्रयास भी करता है। जिस वजह से रुचि अपने पति का घर छोड़कर अलग रहने लगती है। रुचि के घर छोड़ने के बाद भी वह अपने बेटे को उसकी माँ के खिलाफ भड़काता है और उसका आर्थिक शोषण करता है। प्रभाकर नकारात्मक की जीती-जागती छवि बनकर उभरा है

(III) <u>एक वाक्य में उत्तर दो -</u>

(1) रुचि शर्मा किस कला के कारण देश भर में प्रसिद्ध थी ?
(पाक कला)

(2) रुचि शर्मा की लिखी किताबें कितनी भाषाओं में अनुवाद होकर छपती थी ?
(पाँच भाषाओं में)

(3) आधा घन्टे के कार्यक्रम में रुचि कितने व्यंजन प्रस्तुत करती थी ?
(दो कार्यक्रम)

(4) रुचि शर्मा के पति व बेटे का नाम क्या था ?
(पति प्रभाकर व बेटा गगन)

(5) रुचि शर्मा का कार्यक्रम कितने टी.वी. चैनलों पर आता था ?
(दो टी.वी. चैनल सुरुचि व स्वाद)

(6) 'क ' चैनल में रुचि का सहायक कौन था ?
(कुर्बान अली)

(7) 'म ' चैनल में रुचि का सहायक कौन था ?
(वीरेन्द्र सिंह)

(8) रुचि के व्यंजन को किसने चुनौती दी ?
(सर्वेश नारंग ने)

(9) रुचि को किन नामों से चिढ़ थी ?
(लम्बे नामों से)

(10) रुचि के किस व्यंजन को सर्वेश नारंग ने चुनौती दी ?
(दलिया भरी आलू की टिक्की)

(11) सर्वेश नारंग क्या काम करता था ?
(एक खोजी पत्रकार)

(12) सर्वेश नारंग की पत्नी व बेटे का नाम क्या था ?
(पत्नी का नाम मनजीत व बेटे का नाम अंश)

(13) रुचि शर्मा की उम्र कितनी थी ?
(चालीस वर्ष)

(14) सर्वेश नारंग की उम्र कितनी थी ?
(पचास वर्ष से अधिक)

(15) रुचि कहाँ रहती थी ?
(ओशिवरा में वन. बी. एच. के फ्लैट में)

(16) रुचि के मकान मालिक का क्या नाम है?
(शमशेर सिंह)

(17) एकाकी जीवों के जीवन में किसकी बड़ी भूमिका है?
(ऐप चैट एवं एस.एम.एस)

(18) रुचि का भावात्मक तथा आर्थिक शोषण कौन करता है ?
(उसका बेटा गगन)

(19) रुचि के कार्यक्रम में अतिथी की हैसियत से किसे बुलाया गया ?

(सर्वेश नारंग)

(20) फैशन की दुनिया में क्या जुर्म के बराबर है?

(चालीस वर्ष का होना)

(21) सी.सी.डी का विस्तारित नाम क्या है ?

(कैफे काफी डे)

(22) सर्वेश के बेटे अंश की मौत कैसे हुई ?

(ड्रग्ज की ओवर डोज लेने की वजह से)

(23) सर्वेश नारंग खाना बनाने तथा खाने को किन कामों की फेहरिस्त में रखता था ?

(गैर-जरुरी कामों की)

(24) हिन्दुस्तानी औरत की गुलामी की नींव कहाँ से पड़ती है ?

(रसोईघर से)

(25) रुचि शर्मा को गगन के टिफिन में क्या मिला ?

(सिगरेट के टुकड़े)

(26) रिश्तों व प्लेट-प्यालों में क्या फर्क होता है ?

(रिश्तों में इतनी जान होती है कि वे प्लेट-प्यालियों की तरह नहीं टूटते)

(27) रुचि ने सर्वेश को क्या नाम दिया ?

(पंद्रह अगस्त)

(28) गगन को दवाखाने कौन ले गया ?

(सर्वेश नारंग)

(29) रुचि के अनुसार नायाब रेसिपी क्या है ?

(एक चम्मच मुहब्बत)

(30) प्रभाकर के मन में एक स्त्री की छवि कैसी थी ?

(एक समर्पित, सहनशील, अनुगामिनी की थी)

(31) प्रभाकर किस संख्या को अशुभ मानता था ?

(आठ)

(32) रुचि की सहेलियों के क्या नाम थे ?

(जिज्ञासा, दामिनी)

(33) सर्वेश की पहली पत्नी मनजीत कहाँ नौकरी करती थी ?

(टेलीफोन एक्सचेंज में नौकरी)

(34) सीताबाई ने प्रभाकर पर क्या आरोप लगाया ?

(बलात्कार का)

(35) रुचि शर्मा ने प्रारंभ में किसके सहायक के रुप में टी.वी. पर काम किया ?

(तरला दलाल)

(35) विवाह के बाद भी रुचि ने सर्वेश से क्या बात छिपायी थी ?

(अपने बेटे गगन की बात)

(36) अकेली रहने वाली लड़कियाँ किस अवसाद से घिरी रहती हैं ?

(भयंकर असुरक्षा बोध से घिरी रहती है)

(37) सर्वेश का घर कहाँ था ?

(वर्ली समुद्र तट के पिछवाड़े जहाँ मार्कण्डेय का मंदिर बना है वहाँ की इमारत के चौथे मंजिल पर)

(38) सपनों की होम डिलिवरी उपन्यास के रचियता कौन है ?

(ममता कालिया)